हज़रत खुबैब रदी का किस्सा (मुख्तसर)

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी 'रसूलुल्लाहﷺ के साथियो का हाल'.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*बुखारी, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.

हज़रत खुबैब रदी बनू हारिस के यहा कैदी की हैसियत में रहे, यहा तक्की उन्होने उनको कत्ल करने का फैसला किया (क्युकी हज़रत खुबैब ने बदर की लडाई में हारिस को कत्ल किया था) जब हज़रत खुबैब रदी को उसकी जानकारी हुई तो उन्होने हारिस की एक लडकी से उसतरा मांगा ताकि नाफ के नीचे के बाल को साफ कर ले उसने उसतरा दे दिया इतने में उसका बच्चा उनके पास आ गया वो किसी काम में मशगुल थी, बच्चे को जाते देख नही पाई थी, हज़रत खुबैब रदी ने उसको प्यार से अपनी रान पर बिठा लिया, जब उसकी नज़र पडी तो डर गई की ये कैदी उसके बच्चे को कत्ल कर देगा.

हज़रत खुबैब रदी ने भांप लिया, कहा तुम डरती हो की में इस

बच्चे को कत्ल कर दूंगा नही, में ऐसा हरगिज़ नही कर सकता (क्युकी इस्लाम ने बच्चो के कत्ल से रोका हे) उस औरत ने कहा की मेने हज़रत खुबैब रदी से बेहतर सीरत का कैदी नही देखा. ये एक लम्बी हदीस का टुकडा हे जिसमे हज़रत खुबैब रदी की गिरफ्तारी और कत्ल का किस्सा बयान हुवा हे.

हज़रत खुबैब रदी को मालूम हे की ये लोग सुब्ह या शाम में उन्हे कत्ल कर देने वाले हे, ऐसी हालत में भी दुश्मन का बच्चा आता हे जिसे वो आसानी के साथ जिब्ह कर सकते थे लेकिन उसकी मां को इतमीनान दिलाते हे की तू मत डर में इसको कत्ल नही कर सकता, क्युकी जिस दीन पर में ईमान लाया हूं वो दीन दुश्मन के बच्चो को कत्ल करने की इजाज़त नही देता. उस औरत ने सच कहा हज़रत खुबैब रदी से बेहतर सीरत का कैदी नही देखा. जब लोग हज़रत खुबैब रदी को कत्ल करने के लिए ले गए तो ना रोये ना गमगीन हुवे फरमाया तो ये फरमाया की जब में ईमान और इस्लाम की हालत में कत्ल किया जा रहा हूं तो मुझे कुछ परवाह नही की किस करवट पर जान दे रहा हूं ये जो कुछ मेरे साथ होने वाला हे अल्लाह की खुशी के लिए और उसके दीन की खातिर होने वाला हे तो मुझे क्या परवाह मेरे जिस्म के कितने टुकडे किये जाते हे.